भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस वक्तव्य

दिनांक–01 मार्च, 2022

साम्राज्यवादियों के बीच जारी आर्थिक, भू-राजनीतिक, सामरिक होड़ का परिणाम है, यूक्रेन पर रूस का हमला! युद्ध को तुरंत बंद कराने आवाज बुलंद करें!

साम्राज्यवादियों के बीच जारी आर्थिक, भू–राजनीतिक, सामरिक प्रतिद्वंद्विता के परिणामस्वरूप यूक्रेन पर रूस ने आक्रमणकारी युद्ध छेड़ दिया है जिसका शिकार होकर बहुत कम समय में ही सैकड़ों यूक्रेनवासियों ने अपनी जानें गंवायी. भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी रूस द्वारा यूक्रेन पर थोपे गए इस युद्ध की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करती है और युद्ध को फौरन बंद कराने की मांग को लेकर हर संभव तरीके में अपनी आवाज बुलंद करने देश की जनता खासकर मजदूरों, किसानों, मध्यवर्ग के लोगों, छात्रों, नवजवानों, मीडियाकर्मियों, जनवादियों, मानवाधिकार संगठनों, प्रगतिशील, देशभक्त लोगों का आह्वान करती है. युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित सरकारी खर्च पर बाहर निकालकर उनके घरों तक पहुंचाने की भी मांग करें. नाटो के बहाने अमेरिका द्वारा रूस के नजदीकी देशों में सैनिक व प्रक्षेपास्त्र तैनाती का विरोध करें. रूसी हमले का फायदा उठाकर यूक्रेन को ईयू में शामिल कराने की कोशिशों को भी साम्राज्यवादियों की साजिश के तौर पर समझ, विरोध करना चाहिए. युद्धग्रस्त यूक्रेन की जनता की हर संभव मदद करें व उनके समर्थन में सामने आएं. यूक्रेन की संप्रभुता का सम्मान करने सभी साम्राज्यवादी देशों पर दबाव बनाएं. यूक्रेन को भी चाहिए कि वह तुरंत मिंस्क–2 समझौते को लागू करते हुए डोनेस्टेस्क और लूषन्सीव को स्वायत्तता प्रदान करें.

साम्राज्यवाद जब से अस्तित्व में आया उसने दुनिया को अब तक दो विश्वयुद्धों, शीतयुद्ध के दौरान कइयों स्थानीय युद्धों में दसियों लाख लोगों की बलि चढ़ायी. साम्राज्यवादियों एवं विभिन्न देशों में सत्तारूढ़ उनके दलालों ने विश्व जनता को युद्ध, मौत, विकलांगता, तबाही, संसाधनों की लूट, भूख, अशिक्षा, अशांति, बेरोजगारी, आवासहीनता, गरीबी, महंगाई को छोड़ और कुछ नहीं दिया. दुनिया में पहले समाजवादी क्रांति – रूसी क्रांति के नेता, मार्क्सवाद के महान शिक्षक कॉमरेड् लेनिन का यह कथन ''साम्राज्यवाद का मतलब है, युद्ध'' यूक्रेन पर रूस के युद्ध से एक बार और सच साबित हुआ है. सोवियत युनियन के विघटन के बाद से अमेरिका वार्सा गठबंधन के देशों एवं सोवियत युनियन से अलग हुए देशों को नाटो में शामिल करता आया जिससे 12 देशों का नाटो अब 30 का हो गया है. अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो और ईयू के साथ होड़ में अपनी साम्राज्यवादी आकांक्षाओं की पूर्ति के तहत ही, रूसी साम्राज्यवाद जोकि एक समय साम्राज्यवादी महाशक्ति था, ने अब यूक्रेन पर हमला किया. रूस से सटे यूक्रेन के पूर्वी रीजन के दो इलाकों – डोनेस्टेस्क, लूषन्सीव के स्वतंत्र सरकारों को मान्यता देते हुए रूसी संसद में पारित एक प्रस्ताव के जरिए व्लादिमिर पुतिन ने यूक्रेन को निशाना बनाया. जबकि पूर्व में मिंस्क–2 समझौते के तहत डोनेस्टेस्क और लूषन्सीव को स्वायत्तता देने की बात पर यूक्रेन ने अमल नहीं किया.

अफगानिस्तान के हालिया कड़वे अनुभव के कारण अपनी सेनाओं को प्रत्यक्ष न उतारने की बात करते हुए ही यूक्रेन को हथियार बेचकर अमेरिका, नाटो, ईयू यूक्रेन पर रूस के युद्ध को लंबा खींचते हुए रूस को युद्ध में फंसाए रखना चाहते हैं. इसी के तहत रूस पर अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी ने कुजीभूत आर्थिक प्रतिबंध लगाए. कुल मिलाकर यूक्रेन अब साम्राज्यवादियों के शतरंज की बिसात पर प्यादा बनकर तबाह होने के कगार पर है. दूसरी ओर सामाजिक साम्राज्यवादी देश बना चीन अब अमेरिका के साथ व्यापारिक होड़ के अलावा भी आगे कदम बढ़ाएगा.

यह युद्ध अब यहीं खत्म नहीं होने वाला है. इसका व्यापक असर दुनिया के सभी देशों पर पड़ने वाला है. इससे भारत अछूता नहीं रह सकता है. युद्ध के शुरू होते ही कच्चे तेल के दाम बढ़ने लगे हैं.यह सिर्फ कच्चे

तेल तक नहीं रुकेगा, यह महंगाई सभी क्षेत्रों को अपनी चपेट में लेगा जिससे सामान्य लोगों का जीना दूभर हो जाएगा.

यूक्रेन में फंसे भारत के 20 हजार से भी ज्यादा लोगों को सरकारी खर्च से निकालकर उनके घरों तक भेजने का इंतजाम भी सही तरीके से भारत सरकार नहीं कर पा रही है. इसमें घोर उदासीनता और लापरवाही बरत रही है. इसकी भी कड़ी निंदा होनी चाहिए.

साम्राज्यवाद का अस्तित्व जब तक इस धरती पर होगा, तब तक मानव जाति के अस्तत्व पर युद्ध, मौत, तबाही का खतरा मंडराता रहेगा. इसलिए साम्राज्यवाद को नेस्तनाबूद कर, समाजवाद–साम्यवाद को स्थापित करने की दिशा में साम्राज्यवादविरोधी आंदोलनों में सभी देशों के उत्पीड़ित वर्गों की जनता खासकर मजदूरों, किसानों, मध्यवर्ग के लोगों को आगे आना होगा. साम्राज्यवादी जकड़न से मुक्त, संप्रभुता संपन्न समाजवादी यूक्रेन का निर्माण करने की दिशा में यूक्रेन की जनता के सामने सशस्त्र विद्रोह ही एकमात्र विकल्प है.

हमारी दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी तमाम पार्टी कतारों, पीएलजीए बलों, क्रांतिकारी जन संगठनों का आह्वान करती है कि वे साम्राज्यवाद एवं उसके दलाल शासक वर्गों व उनका प्रतिनिधित्व करने वाली ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी ताकतों तथा उनके स्थानीय पिट्ठुओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रचार, आंदोलन आयोजित करें एवं प्रतिरोध कार्रवाइयों को अंजाम दें. दंडकारणय की जनता खासकर मजदूर, किसान, छात्र, युवाओं, दलितों, आदिवासियों, धार्मिक अल्पसंख्यकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों का आह्वान करती है कि वे यूक्रेन पर रूसी हमले के खिलाफ व्यापक प्रचार आंदोलन का प्रोग्राम लेवें.

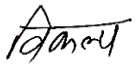

(विकल्प)

प्रवक्ता

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)